

1

---

---

---

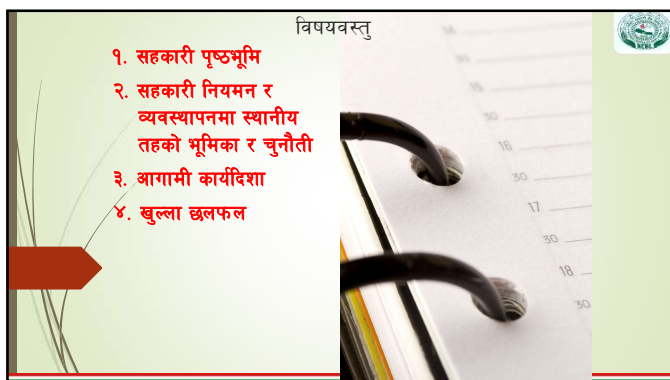
---

---

---

---

---



2

---

---

---

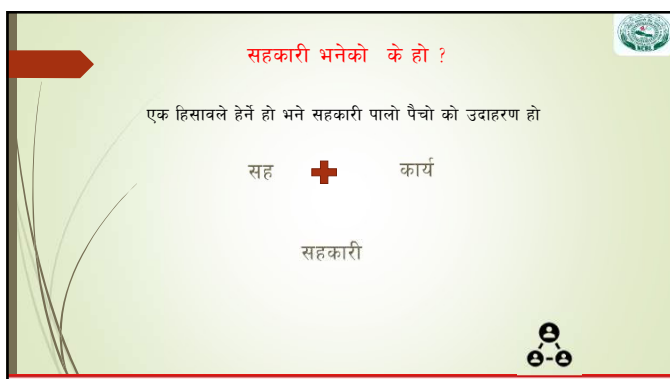
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---


---

---

---

**सहकारी भनेको के हो ?**

सहकारी सामाजिक व्यवसाय हो,  
यो नाफामूखि नभई  
सेवामूखि हुन्छ



4

---

---

---

---

---

---

---

---

**सहकारीको परिचय**

- ❖ बोलीचालीको भाषामा सबै मिलेर काम गर्नु सहकार्य हो ।
- ❖ तर सबै मिलेर गरेको सबै कार्यलाई सहकारिताका आधारमा भएको सहकार्य भन्न मिल्दैन ।
- ❖ त्यसैले उद्देश्य एकै हुनलाई पेशागत समानता पूँजीगत समानता, सोचाई र दृष्टिकोणमा समानता जस्ता पक्षहरु महत्वपूर्ण मानिन्छन् ।
- ❖ सहकारी संस्था एक अविच्छिन्न उत्तराधिकारवाला संस्था हो । अर्थात् एकपटक गठन भैसकेपछि, यो निरन्तर अनन्तकालसम्म सञ्चालन भैरहनुपर्छ, अर्को पुस्ताको उत्तराधिकारीलाई हस्तान्तरण गर्दै लानुपर्छ ।

5

---

---

---

---

---


---

---

---

सहकारीको परिचय...

- ❖ सहकारी संस्था दिगो र सुरक्षित हुने पर्छ ।
- ❖ वित्तीय बजारको प्रतिस्पर्धी बातावरणमा सहकारीहरूले वार्षिक वृद्धिसँगै बजारमा बढियो उपस्थिति हुनुपर्छ ।
- ❖ वित्तीय पहुँच बढिपुग्छ गरी न्यून बाय भएकाहरूलाई प्रतिस्पर्धी दरमा गुणस्तरीय वित्तीय सेवा प्रदान गर्ने काम सहकारीहरूले गरिरहेका छन् ।
- ❖ सहकारी अविच्छिन्न रूपमा सञ्चालन हुने र पुस्तान्तरण गर्ने संस्था हुन् ।



6

---

---

---

---

---

---

---

---

**सहकारीको परिचय...**

- युरोपमा १९ औं शताब्दीबाट सहकारी अभियानको सुरुवात भएको हो ।
- Robert Owen (1771–1858) लाई सहकारी अभियानको पिता मानिन्छ ।
- The Rochdale Society of Equitable Pioneers सन् १८४४ मा ३० जना **कामदार संगठित** भई बेलायतमा स्थापना भएको पहिलो सहकारी हो ।
- नेपालमा २०१३ सालबाट औपचारिक रूपमा सहकारीताको शुरुवात भएको हो । यद्यपी सहकारी विभागको गठन २०१० सालमै भएको थियो ।

7

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**नेपालको सहकारी क्षेत्रको विकासक्रम**

- वि.सं. २०१० मा सहकारी विभागको स्थापना,
- वि.सं. २०११ मा सहकारी समिति गठन,
- वि.सं. २०१३ साल चैत्र २० गते पितृव्यको वंशान श्रेय समिति नामक सहकारी दर्ता,
- वि.सं. २०१६ सालमा पहिलो सहकारी संस्था ऐन,
- वि.सं. २०१९ सालमा शाका संस्था ऐन र २०४३ मा सहकारी नियम,
- वि.सं. २०४८ सालमा सहकारी ऐन र २०४९ मा सहकारी नियमावली
- २०६८ वैशाख १ गते सहकारी अनुपमन तथा नियमनको मापदण्ड २०६८
- २०६९ सालमा राष्ट्रिय सहकारी नीति जारी,
- २०७४ साल कार्तिक १ मा सीपय सहकारी ऐन जारी,
- २०७४ माघ १४ सम्पत्ती शुद्धिकरण निवारण सम्बन्धी सहकारी संस्थायाई लागू गरिएको निर्देशनका जारी,
- २०७६ साल वैशाख २३ मा सहकारी नियमावली जारी,
- २०७६ साल १९ गते सम्बन्ध व्यवस्थाको मुद्रापात,
- २०७८ सहकारी नीति २०१९ परिमार्जनको लागि पहाल
- विभागाध्यक्ष एकिकृत निर्देशन जारी गर्ने क्रम शुरु, स्थानीय तहहरूमा सहकारी हस्तान्तरण
- सौरिक नीतिमा सहकारीको तथ्यांक गणन शुरु

8

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**सहकारी नियमनमा स्थानीय तह**

- राज्य पुर्नसंरचना पश्चात सहकारीको नियमनको क्षेत्राधिकार स्थानीय तहमा आयो,
- नेपालको संविधान २०७२ को अनुसूची ८ ले सहकारीको व्यवस्थापन, नियमनको क्षेत्राधिकार स्थानीय तहलाई दिएको छ,
- अनुसूची ९ ले तिनवटै तहका सरकारको साभ्मा क्षेत्राधिकारभित्र सहकारीलाई राखेको छ,
- सबै स्थानीय तहमा सहकारी ऐन नियमावली बन्ने काम यद्यपी जारी छ,

9

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**नियमन क्षेत्राधिकारको अवस्था**  
कुल सहकारी २९८८६ मध्ये

-  सघिय सहकारी विभाग: ०.४१% सहकारीहरु
-  प्रादेशिक सहकारी विभागहरु : २०.०८% सहकारीहरु
-  स्थानीय तह : ७९.४९% सहकारीहरु  
(२३७५९ सहकारीहरु)

सहकारी कसक २०७७, सहकारी विभाग, पृष्ठ ११



10

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**सहकारी क्षेत्रको विकासको लागि स्थानीय तहको भूमिका**

- सहकारीको तथ्यांक भण्डारण,
- जोखिममा आधारित अनुगमन र सुपरिवेक्षण,
- नियमित अन्तरक्रिया र छलफल,
- समस्या समाधानमा पहल,
- विनियम स्वीकृति, कार्यक्षेत्र विस्तार भयायतका सेवा प्रवाहका लागि आवश्यक प्रक्रिया पुरा भएको अवस्थामा छिटोछरितो स्वीकृतिको पहल,
- सहकारी सम्बन्धि जनचेतना अभिवृद्धि,

✓ सघिय कानूनसँग नबाफिने गरी कानुनी प्रावधानहरुको व्यवस्था

11

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**सहकारी क्षेत्रको विकासको लागि नियमनकारीको भूमिका**

- एफिकरणलाई प्राथमिकता,
- सहकारीको स्वनियमनको पद्धतीलाई प्राथमिकता
- सहकारी महाशाखा/शाखाको क्षमता अभिवृद्धि
- सहकारीको सदस्यको पैसाको सुरक्षाको प्रत्याभूति दिन सक्ने,
- विषयगत सहकारीहरुको कारोबारको अनुगमन, सुपरिवेक्षण र सहजिकरण
- मापदण्ड बनाई स्थानीय तहका कतिपय करहरु छुट ।

12

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

**नियमनमा चुनौती**

सहकारीको छुट्टै निजामति सेवा नहुनु,  
महानगरभित्र सञ्चालनमा रहेका सहकारीको संख्या अनुसार सहकारी महाशाखाको क्षमता अभिवृद्धि हुन नसक्नु,  
वचत ऋण सहकारीको लागि मात्रै अनुगमन निर्देशिका जारी हुनु,  
प्रविधिको प्रयोगमा कमी हुनु,  
सहकारीहरूको तथ्यांक संकलन, भण्डारण, विश्लेषणमा कमी,  
तिन तहको सहकारी कानूनमा सामञ्जस्यता नहुनु,  
मापदण्डको पालना गराउन कठिनाई,



13

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

**नियमनमा चुनौती...**

व्यवहारिक कठिनाईहरू आइपुग्नुं  
कोपोमिसको पुर्ण कार्यान्वयन नहुनु,  
वित्तीय विवरणहरूको प्रस्तुतीमा एकरूपता नहुनु,  
सहकारीहरू सामुदायिक व्यवसायको रूपमा सञ्चालन नहुनु वा नचाहनु,  
सहकारीको सफ्टवेयरहरूमा नियमन नहुनु, सफ्टवेयर म्यानुपुलेट हुने सम्भावना



14

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

**नियमनमा चुनौती...**

समय सापेक्ष कानून संसोधन हुन नसक्नु,  
विशेषगरी काठमाडौं महानगरपालिकाभित्रका सहकारीहरूको बारेमा दिनुहुजसो नकारात्मक समाचारहरू आउनु,  
ऋण लगानी र असुली सम्बन्धि कानूनी प्रावधानको पालना नभएको हुँदा ऋण जोखिम वृद्धि हुनु,  
सहकारी सम्बन्धि साक्षरताको कमी हुनु,  
सहकारीको नेतृत्वमा सहकारी सम्बन्धि बुझाईमा एकरूपता नहुनु



15

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

### आगामी कार्यदिशा

- निजामतीको सेवामा सहकारी सेवाको प्रावधान,
- नियामकिय फ्रेमवर्क (Regulatory System Development) निर्माण गरी लागू गर्नुपर्ने, (सहकारी बैंकले प्राथमिक सहयोग उपलब्ध गराउन सक्ने)
- बितीय प्रतिवेदन प्रस्तुतीमा एकरूपता कायम गराउने,
- सहकारीले प्रयोग गर्ने सफ्टवेयरको नियमनको लागि आवश्यक मापदण्ड तोक्ने,
- कोषमिसको पुर्ण कार्यान्वयन गर्ने,
- प्रविधिमा आधारित भएर नियमन गर्ने,



16

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### आगामी कार्यदिशा

- नेखापरिक्षण प्रतिवेदनको शुद्धताको जाँच गर्ने संयन्त्र विकास गर्ने,
- सम्पत्तिको आधारमा सहकारीहरूको वर्गिकरण गरी अनुगमनको क्यालेन्डर बनाई लागू गर्ने,
- नियमित रुपमा सहकारीको नेतृत्वसँग विविध विषयमा छलफल, अन्तरक्रियाहरू सञ्चालन गर्नु,
- नियामकिय प्रावधानहरूको बारेमा सहकारीहरूलाई सुसुचित गर्नु,
- सहकारी ऐन २०७४ ले तोके बमोजिम सहकारीको संख्यामा नियन्त्रण गर्नको लागि निश्चित समयबधि प्रदान गरी अतिव्याप्य एफिकरणमा (फोर्स मर्ज) जानको लागि निर्देशन दिने,
- नेखापरिक्षकहरूलाई आवश्यक निर्देशन प्रदान गरी सेवापरिक्षणको शुद्धता कायम गर्ने

17

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### आगामी कार्यदिशा

- विषयगत सहकारीहरूको विनियममा तोकिएको चङ्चैय र कार्यहरूको कार्यान्वयनको अनुगमन गर्ने,
- राष्ट्रिय सहकारी बैंकले तयार गरेको स्वनियमनका कार्यक्रमहरू (आधारभूत, केयर र स्मार्ट) मा आबद्धताको लागि सहकारीहरूलाई अनुरोध गर्ने,
- सहकारीका व्यवस्थापकहरूलाई महानगरको सहकारी महाराष्ट्रासँग नजिक राख्नको लागि विभिन्न कार्यक्रमहरूको आयोजना गरी निरन्तर भेटघाट र छलफलको बातावरण निर्माण गर्ने,
- डेलिक्टेड पोर्टल मार्फत एकै स्थानबाट सहकारीको नियामकिय प्रावधान, परिपत्र, निर्देशनहरू जारी गर्न सक्ने बनाउने,
- साधारणसमा समयमै सम्पन्न गरेको, सबस्यको उपस्थिति नियमानुसार भए नभएको एकिन गर्ने,
- कार्यकारी सञ्चालक रहेका सहकारीहरूमा सघन अनुगमन गर्ने

18

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



19

---

---

---

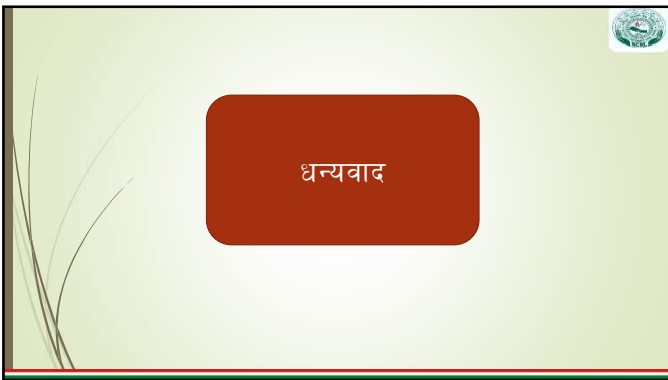
---

---

---

---

---



20

---

---

---

---

---

---

---

---